आकाशवाणी श्री विजयपुरम

15.07.2025 समय : 1850

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर अपने ऐतिहासिक मिशन से पृथ्वी पर लौटने पर ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला का स्वागत किया।

- स्किल इंडिया मना रहा है अपनी 10वीं वर्षगांठ। कौशल विकास मंत्रालय की योजनाओं के माध्यम से छह करोड़ युवा बने सशक्त।

- इग्नू ने स्टार्टअप प्रतियोगिता के लिए प्रविष्टियां आमंत्रित की।

- मरीना पार्क में ओपन ब्लिट्ज़ शतरंज टूर्नामेंट के साथ अंतर्राष्ट्रीय शतरंज दिवस मनाया जाएगा।

<><><><><><><>

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर अपने ऐतिहासिक मिशन से पृथ्वी पर लौटने पर ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) की यात्रा करने वाले भारत के पहले अंतरिक्ष यात्री के रूप में ग्रुप कैप्टन शुक्ला की यह उपलब्धि देश की अंतरिक्ष अन्वेषण यात्रा में एक निर्णायक क्षण है। मैं समस्त देश के साथ ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला का स्वागत करता हूं, जो अपने ऐतिहासिक अंतरिक्ष मिशन से पृथ्वी पर लौट रहे हैं। अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन का दौरा करने वाले भारत के पहले अंतरिक्ष यात्री के रूप में उन्होंने अपने समर्पण, साहस और अग्रणी भावना से करोड़ों सपनों को प्रेरित किया है। यह हमारे अपने मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशन – गगनयान – की दिशा में एक और बहुत बड़ी उपलब्धि है। केंद्रीय विज्ञान मंत्री जितेंद्र सिंह ने शुभांशु शुक्ला की इस कामयाबी को अद्भुत बताया।

<><><><><><><>

स्किल इंडिया मिशन की आज दसवीं वर्षगांठ मनाई जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दो हजार पन्द्रह में इस योजना की शुरुआत की थी। कौशल विकास और उद्यमिता मंत्री जयंत चौधरी ने विभिन्न क्षेत्रों में व्यावहारिक, रोज़गार परक कौशल के माध्यम से युवाओं को सशक्त बनाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई है। केन्द्र सरकार ने पिछले दस वर्षों में युवाओं में कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठाए हैं। कौशल विकास मंत्रालय ने अपनी विभिन्न योजनाओं के माध्यम से, छह करोड़ से अधिक युवाओं को सशक्त बनाया है, ताकि उनके लिये रोजगार के, नये अवसर पैदा हो सकें। प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के तहत दो हजार पन्द्रह से अब तक अड़तीस क्षेत्रों में, एक करोड़ साठ लाख से अधिक युवाओं को प्रशिक्षण दिया गया। इनमें से पैंतालीस प्रतिशत महिलाएं हैं और युवाओं का एक बड़ा हिस्सा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग से आता है। इन योजनाओं के तहत युवाओं को निर्माण, पारंपरिक शिल्प, स्वास्थ्य सेवा, सूचना प्रौद्योगिकी और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे क्षेत्रों में प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

<><><><><><><>

भारतीय रचनात्मक प्रौद्योगिकी संस्थान इस वर्ष अगस्त से छात्रों के अपने पहले बैच के लिए प्रवेश की शुरूआत करने जा रहा है। इस शुरूआत के साथ ही, संस्थान भारत की बढ़ती डिजिटल और रचनात्मक अर्थव्यवस्था में एक परिवर्तनकारी उपलब्धि हासिल करने के लिए भी तैयार है। संस्थान एनीमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग, कॉमिक्स और विस्तारित वास्तविकता के क्षेत्र में उद्योग–संचालित पाठ्यक्रमों का एक मजबूत पोर्टफोलियो प्रदान करेगा। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव की मई, में विश्व ऑडियो विजुअल एंटरटेनमेंट समिट–वेव्स में की गई घोषणा को आगे बढ़ाने की दिशा में संस्थान को प्रतिष्ठित वैश्विक साझेदारियों और उद्योग प्रमुखों का समर्थन प्राप्त है। इस शैक्षणिक पाठ्यक्रम में गेमिंग में छह विशेष पाठ्यक्रम, पोस्ट प्रोडक्शन में चार पाठ्यक्रम और एनीमेशन, कॉमिक्स

और एक्स आर में आठ पाठ्यक्रम शामिल हैं। IICT के हाल ही में यूनाइटेड किंगडम के यॉर्क विश्वविद्यालय के साथ एक ऐतिहासिक समझौता ज्ञापन पर हुए हस्ताक्षर से सहयोगात्मक अनुसंधान, संकाय विनिमय और वैश्विक प्रमाणन मार्गों का मार्ग प्रशस्त हुआ है। इसकी मजबूत आधारशिला में वृद्धि करते हुए गूगल, यूट्यूब, बडोब, मेटा, माइक्रोसॉफ्ट और जियोस्टार जैसी प्रमुख वैश्विक कंपनियों ने भारतीय रचनात्मक प्रौद्योगिकी संस्थान के साथ दीर्घकालिक सहयोग की प्रतिबद्धता जताई है। उनके समर्थन में पाठ्यक्रम विकास, छात्रवृत्ति, इंटर्नशिप, स्टार्टअप इनक्यूबेशन और प्लेसमेंट के अवसर शामिल हैं।

<><><><><><><>

इग्नू की संस्था नवाचार परिषद (आईआईसी) स्टार्टअप प्रतियोगिता– 2025 के लिए इग्नू के उन छात्रों और पूर्वछात्रों से प्रविष्टियाँ आमंत्रित कर रही है जिन्होंने स्टार्टअप या व्यावसायिक उद्यम स्थापित किया है। स्टार्टअप प्रतियोगिता– 2025 दो चरणों में आयोजित की जाएगी। पहले चरण में स्टार्टअप और व्यावसायिक उद्यम के बारे में विवरण वेबसाइट से हासिल कर सकते हैं। दूसरे चरण के लिए एक विशेषज्ञ समिति द्वारा जाँच और चयन किया जाएगा। चयनित छात्रों पूर्व छात्रों को पहले चरण के पूरा होने के बाद दिए गए टेम्पलेट के अनुसार अपने स्टार्टअप का प्रदर्शन करना होगा। स्टार्टअप प्रतियोगिता के पहले दौर के लिए 31 जुलाई तक जमा की जा सकती हैं। अधिक जानकारी के लिए इग्नू की वेबसाइट पर जाकर देखा जा सकता है।

<><><><><><><>

20 जुलाई को अंतर्राष्ट्रीय शतरंज दिवस के उपलक्ष्य में शिक्षा निदेशालय, अंडमान और निकोबार शतरंज संघ के सहयोग से 20 जुलाई को दोपहर 3 बजे से मरीना पार्क वॉकवे, पोर्ट ब्लेयर में एक ओपन ब्लिट्ज़ शतरंज टूर्नामेंट का आयोजन करेगा। यह टूर्नामेंट सभी के लिए है और इसमें कोई प्रवेश शुल्क नहीं है। वर्ष 2025–2026 के लिए AICF पंजीकरण अनिवार्य है और प्रतिभागियों को एकता और खेल भावना के प्रतीक के रूप में एक सफेद टी–शर्ट पहननी होगी। प्रविष्टियाँ 'पहले आओ, पहले पाओ' के आधार पर पंजीकृत की जाएँगी। इच्छुक खिलाड़ी 18 जुलाई तक वेबसाइट से पंजीकरण कर सकते हैं। सहायक निदेशक खेल मोहम्मद इरशाद अहमद ने इस कार्यक्रम के विषय में जानकारी दी।

<><><><><><><>

श्री विजयपुरम् में कल मसाला महोत्सव–दो हजार पच्चीस का आयोजन किया जाएगा। इसका उद्देश्य अंडमान निकोबार द्वीपसमूह में उगाए जाने वाले मसालों के पाककला, औषधीय और सांस्कृतिक महत्व को बढ़ावा देने के साथ–साथ अतिथियों को कृषि पर्यटन का रोमांचक अनुभव कराना भी है। इस कार्यक्रम के माध्यम से घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों को आकर्षित करने का प्रयास किया गया है। इस अवसर पर रंगाचांग निवासी पद्मश्री कमाची चेल्लम्मल, जो नारियल अम्मा के नाम से प्रसिद्ध हैं, उनके खेतों का दौरा किया जाएगा। अड़सठ वर्षीय कामाची चेल्लाम्मल को पिछले वर्ष जैविक विधि से नारियल की खेती करने के लिए पद्मश्री से सम्मानित किया गया था। कामाची चेल्लाम्मल नारियल के अलावा लौंग, अदरक, अनानास और केले की भी खेती करती हैं। इनके काम से प्रभावित होकर एक सौ पचास से अधिक किसानों ने खेती करने की उनकी पद्धति को अपनाया है। सिप्पीघाट में कृषि विज्ञान केंद्र–केंद्रीय द्वीपीय कृषि अनुसंधान संस्थान और कैडलगंज में जंगली मिर्ची रिज़ॉर्ट के जैविक फार्म का दौरा शामिल है।

<><><><><><><>